

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

(Name) _____

2. (Signature) _____

(Name) _____

N 0 8 5 1 7**Time : 1¼ hours]****PAPER - II
KONKANI****[Maximum Marks : 100****Number of Pages in this Booklet : 12****Number of Questions in this Booklet : 50****Instructions for the Candidates**

- Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
- At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
 - To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.
 - After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
- Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.

Example : ① ② ● ④ where (3) is the correct response.
- Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only**. If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
- Read instructions given inside carefully.
- Rough Work is to be done in the end of this booklet.
- If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
- You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
- Use only Blue/Black Ball point pen.
- Use of any calculator or log table etc., is prohibited.
- There are no negative marks for incorrect answers.

OMR Sheet No. :
(To be filled by the Candidate)Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)Roll No. _____
(In words)**परीक्षार्थियों के लिए निर्देश**

- इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
- इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
- परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
 - कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।
 - इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
- प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

उदाहरण : ① ② ● ④ जबकि (3) सही उत्तर है।
- प्रश्नों के उत्तर केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही अंकित करने हैं। यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
- अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
- कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
- यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं।
- आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें। हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं।
- केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही प्रयोग करें।
- किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।
- गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं।



KONKANI

कोंकणी

PAPER - II

प्रश्नपत्र - II

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are **compulsory**.

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं। **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।

सुचोवण्यो : (i) ह्या प्रश्नपत्रांत वट्ट पन्नास (50) भौपर्यायी जापेचे प्रस्न आसात.

(ii) सगळ्या प्रस्नांच्यो जापो दिंवच्यो.

(iii) दर एका प्रस्नाच्या सारके जापेक दोन (2) गुण दवरल्यात.

(iv) दर एका प्रस्नाची जाप ताचे सकयल दिल्ल्या (1), (2), (3), (4) ह्या चार आंकड्यातल्या फावो त्या आंकड्याचेर कुरू करून दिंवची.

1. “तरि स्वामिया, त्या दुर्जनांच्यो चकटायो निवारूंक, तुजी कृपा म्हाका दूडू करूं, ताची निसंचराय निवारूंक तुजो मोहो माका धिर्येवंतु करु, ताचें बळ विचारुंक तुजो प्राप्तीवंतु हातु माका राखूं, ऐसे करि म्हज्या देवा, ऐशें करि. ज्या कारणें तुका विनौवितां, तें दी, कळाव करूं नाका, थोडें माकां नपुरो, चड आनी तुर्त दि.”

हो उतारो हांतल्या कोणे रचला ?

(1) मिगेल द आल्मैदा (2) जुआंव द पेद्रोझ (3) तोमास इस्तेवांव (4) आंतोन दे सालदांज

2. इलियटाच्या मत्ताप्रमाण महान कवीचें खाशेलेपण म्हळ्यार :

(1) तो अभिजातच आसपाक जाय.

(2) महान कवी आनी अभिजातताय एकूच आसता.

(3) तो अभिजात आसपाकच जाय अशें बंधन नासता.

(4) महान कवी भावप्रधान आसपाक जाय.

3. दियेगो रिबेरू हांची तुस्त इग्नाझियो आर्कामोनी आनी दियोगु बार्बोसा माशादो हांणी कित्याक केली ?

(1) नवक्रिस्त्यांक शिकोवपाखातीर थळाव्या भाशेंत तांणी रोखडीच कुशळताय हातासली म्हणुन.

(2) तांणी कोंकणी - पोर्तुगेज शब्दकोशाची रचना केली.

(3) तांणी चडांत चड हिंदुक क्रिस्तांव धर्मावटेन ओडून हाडलें.

(4) तांणी जायती हेर भारतीय भाशेंतली पुस्तकां कोंकणीत अणकारून हाडली.



4. मोईङ्गिन्यु आताईत हे खंयच्या नेमाळ्याचे संपादन करतात ?
- (1) 'स्पंदन' (2) 'ऋतु'
(3) 'दालगादाचो संदेश' (4) 'घाटमाथ्यावयलो आवाज'
5. 'जपुजी साहेब' हो ग्रंथ खंयच्या भाशेंतलो ? ताचो अणकार कोणे केलां ?
- (1) पंजाबी भाशेंतलो. सुरेश आमोणकार हांणी.
(2) अुडिया भाशेंतलो. प्रकाश थळी हांणी.
(3) पुर्तुगेज भाशेंतलो. ऑलविन्यु गॉमिश हांणी
(4) हिंदी भाशेंतलो. हरदत्त खांडेपारकार हांणी.
6. कांय पोरणीं कोमुनिदादीची कन्नड लिपयेंत बरयिल्ली बरपां गोंयात मेळटात अशें जुझे जेर्सन द कुन्यां म्हणतात हाचें कारण _____
- (1) कोंकणी आर्य कुळांतली भास आसूनय तिचे शेजरा द्रविड कुळातली भास नंदताली.
(2) कन्नड लोकांली राज्यसत्ता, कन्नड लोकां वांगडा चलपी वेपार उद्देग आनी कन्नड लोकांलो शेजार हें आसा.
(3) तेन्ना कोंकणीक आपली अशी लिपी नाशिल्ल्यान आयती मेळटा ते लिपयेंतल्यान बरपां जाताली.
(4) तेन्ना कोंकणी जिबेरूच चड घोळटाली; आनी तिची बरपावळ तयार जाली ती पोर्तुगीज राजवटींतली धर्मीक बरपावळ.
7. गोंयाभायर राबितो करून आशिल्ल्या लोकांमुखार थळावी भास शिकलेबगर दुसरो पर्याय नाशिल्लो. हाचें कारण -
- (1) नाजाल्यार तांचे देवधर्म सुगुर उरचे नाशिल्ले.
(2) घराभायर सगळीकडेन थळावे भाशेंतच उलोवन वेव्हार करचे पडटाले.
(3) एकूच भास सगळ्यांची आसची हें समान सूत्र तेन्नाच्या शासनान मानून घेतिल्लें.
(4) तांका थळाव्या समाजाच्या पाशवी अत्याचाराचो भंय दिसतालो.
8. सकयल दिल्लें खंयचें उतर शुद्धलेखनाच्या नेमा-प्रमाण सारकें आसा ?
- (1) दृश्ट द्युमन (2) धृश्ट द्रमुन (3) धृश्टद्युमन (4) धृष्ट द्युमन
9. नवलिका आनी तांतूतली स्त्री पात्रां हांच्यो फावो त्यो जोडयो लायात.
- (a) 'युग सांवार' (i) विषय
(b) 'रातराणी' (ii) देवकी
(c) 'शक्तिपात' (iii) अनसूया
(d) 'गांठवल' (iv) कमला
(v) नलू
- | | | | | |
|-----|-------|-------|------|-------|
| | (a) | (b) | (c) | (d) |
| (1) | (ii) | (iii) | (iv) | (i) |
| (2) | (ii) | (i) | (iv) | (iii) |
| (3) | (iii) | (ii) | (iv) | (i) |
| (4) | (i) | (iii) | (v) | (iv) |



10. विसर्ग संधीत विसर्गा आदी खंयचो वर्ण आयलो जल्यार त्या वर्णांत कसलोच विकार जायना ?
 (1) च आनी त (2) प आनी फ (3) ज आनी ष (4) ग आनी म
11. बुअलोन त्रासदी, महाकाव्य आनी सुखान्तिके खातीर कोणाच्या सिद्धान्ताचो आदर्श दवरलो ?
 (1) थिओक्रिटस आनी वर्जिन (2) हॉरेस आनी ल्यूसिलियस
 (3) अॅरिस्टॉटल आनी हॉरेस (4) ल्यूसिलियस आनी ओविड
12. प्रो.के.के. राव हांणी हांतल्या खंयच्या व्याकरणाची निर्मणी केल्या ?
 (1) 'कोंकणी स्वयंशिक्षक' (2) 'कोंकणी व्याकरण'
 (3) 'भुरग्यांलें व्याकरण' (4) 'कोंकणी भाशेचें व्याकरण'
13. सकयल दिल्ली खंयची विधानां बरोबर आसात ?
 (a) लोकगायन हें लोककलेचें खाशेलेपण.
 (b) पावो आनी टाळ हांचो लोककलेंत उपेग जायना.
 (c) लोक नाचांतल्या वेगवेगळ्या खेळ्यांक विंगड विंगड मुस्तायकी वापरतात.
 (d) लोक वेदांतल्या दर एका लोककलेच्या प्रकाराचे सादरीकरण नाचूनच करतात.
 (1) (a) आनी (b) विधानां बरोबर आसात.
 (2) (a) आनी (d) विधानां बरोबर आसात.
 (3) (a) आनी (c) विधानां बरोबर आसात.
 (4) (b) आनी (d) विधानां बरोबर आसात.
14. धालो ह्या नृत्यप्रकारांत कितल्या तरेची लोकवाद्यां आसतात ?
 (1) दोन तरांची (2) एक लेगीत नासता
 (3) एकेच तरेचें (4) चर्मवाद्य आनी तंतूवाद्य
15. शिगम्याच्या खेळ्यांक दुसरें कसलें उतर आसा ?
 (1) रुद्र (2) वीरभद्र (3) गडो (4) वीर
16. 'द टेंपेस्ट' ह्या येवरोपी भाशेंतल्या काणयेचो अणकार कोंकणीत खंयच्या नांवान जाला ?
 (1) 'जादूचो जुंवो' (2) 'मीता आनी जादुचे मोचे'
 (3) 'एका जुंव्यार जंय' (4) 'जुवारेची पांयजणां'



17. 'लिमाचो भुरगो' हो कथाझेलो हांतल्या कोणे उजवाडायला ?
- (1) सिल्वेस्टर डी. सोजा (2) लुवीस मस्कारेन्हस
(3) लियो जॉन डी. सोजा (4) विनसेंट पिंटो
18. कृदन्त आनी तद्धित हे उतराचे उपभेद कित्याक लागून जातात ?
- (1) उतरांक कुसां लागिल्ल्यान. (2) उतरांक उपपदां लागिल्ल्यान
(3) उत्तरांक उपसर्ग लागिल्ल्यान. (4) उतरांक विशेषणा लागिल्ल्यान.
19. हांतूतल्या खंयच्या उतराचो उच्चार उकतो जाता ?
- (1) पदेर (2) घडवण (3) तेंफळ (4) आदोळी
20. कोंकणीत 'अदृष्ट' ह्या उतराचो अर्थ म्हळ्यार _____.
- (1) नशीब (2) दिसना तो (3) अदृश्य (4) जाका दृष्ट लागना तो
21. कवितेच्यो वळी आनी तांचे रचनाकार हांची फावो ती जोडी हांतली खंयची ?
- (1) किट्ट तट्टीत रात
उबें मळब पेटलां
लक्ष जिवांच्या दोळ्यांनी
मोर पाखांत शेणलां -माधव बोरकार.
- (2) उमाशेचे काळखे रातीं
लिपिल्लो चंद्रीम
सोदून काडलो नखेत्रां आपशींच
भायर सल्लीं -देविदास कदम.
- (3) प्रज्ञाकांतु अंत येव
जसो पार्दिकाक भार
जाका होरांवक शब्दांक
केन्नाच मेळची ना ओंपार -रमेश लाड.
- (4) दूदसागर गेलो सुकून
चित्रवीणा हुंडकेता
पांयजणाचो वड आता
तिनसांजची गाळटां दूकां -अभिजीत.



22. 'कुमान' आनी 'नांगर' ही उतरां खंयच्या मूळ भाशेंतल्यान कोंकणीत आयल्यात ?

- (1) कानडी (2) तेलगु (3) उडीया (4) असमिया

23. फावो ती वळ वेंचून कडवें पुराय करात.

ओल्या ओल्यानी ही झाडां

कितें हालतात धोलतात

आडवळणार पळय कशीं

- (1) मोरपाखांत शेणटात. (2) पिशा वाच्याक तोलतात.
(3) म्हजी पानां सळसळायतात. (4) उबी जातीत म्ह्यातल्या म्ह्यांत.

24. आशयाची खोलाय आनी नाट्यतंत्राची जाण आशिल्ल्या चाफ्राक आधुनिक नाटककारांचे पंगतीक बसपाचो मान फावता देखून तांकां मंगळूर रंगमाचेवेले नवे क्रांतीकारक नाटककार म्हूण पाचारतात.

- (1) वयल्या विधानातलो पूर्वार्ध बरोबर आसा पूण उत्तरार्ध चुकला.
(2) वयल्या विधानांतलो पूर्वार्ध चूक आसा आनी उत्तरार्ध बरोबर आसा.
(3) वयल्या विधानांतले दोनूय वांटे बरोबर आसात.
(4) वयलें विधान पुरायेन चूक आसा.

25. थियोडोर बेनफे हांचो खंयचो सिद्धांत प्रसिद्ध आसा ?

- (1) लोककाणयांचो संवसारभरांतलो प्रसार हो भारतांतल्यानच जालो.
(2) लोककाणयो ह्यो लोकगीतांचें गद्य रूप आसता.
(3) गावन काणी ही गोंयच्याच लोकवेदांतल्यान उत्क्रांत जाल्या.
(4) लोककाणी ही भारताइतलीच चीन आनी जपान ह्या देशांतय लोकप्रिय आसा.

26. 'तें देखुनु तो पाताळकेतु येका वनांत येक घर रचून, त्या घरांतु ते कन्येक घालून. आपण रातिचो भोंवक गेलो. वेतां, देग राखेस म्हा भयंकर, वांकुड्या तोंडाचे, देखिले, देखिले, देखुनु तो पाताळकेतु संकोचलो''

वयलें वर्णन हांतल्या खंयच्या ग्रंथातलें जावन आसा ?

- (1) 'देवाची एकाग्र बोलणीं'
(2) 16 व्या शेंकड्या आदलें कोंकणी रामायण.
(3) '16 व्या शेंकड्यातलें कोंकणी म्हाभारत आदिपर्व'
(4) 'क्रिस्त पुराण'



27. 'तुज्या दोळियांची माया
माये आयाव आयाव
म्हजे म्हाकाच मेळना
म्हज्या कळवांचे थाव'
हें कडवें खंयच्या कविच्या कवितांझेल्यांतल्यान घेतलां ?
- (1) माधव बोरकार (2) सु.म. तडकोड (3) रमेश वेळुस्कार (4) शंकर रामाणी
28. हांतूतली रहस्यमय रचना खंयची ?
- (1) 'शिकारी' (2) 'ते आयल्यात' (3) 'धूळ' (4) 'जुगार'
29. उजवाडेवणाच्या क्रमाप्रमाण योग्य क्रम हांतूतलो खंयचो पर्याय बरोबर आसा ?
- (1) 'भितरलें तूफान', 'देवाची खुशी', 'सुंदरी', 'ताका म्हजेर मोग आसलो', 'शिकारी'.
(2) 'देवाची खुशी', 'शिकारी', 'सुंदरी', 'भितरलें तूफान', 'ताका म्हजेर मोग आसलो'.
(3) 'भितरलें तूफान', 'शिकारी', 'ताका म्हजेर मोग आसलो', 'देवाची खुशी', 'सुंदरी'.
(4) 'देवाची खुशी', 'भितरलें तूफान', 'शिकारी', 'सुंदरी', 'ताका म्हजेर मोग आसलो'.
30. सकयल दिल्ल्या उतरांच्या फावो त्या अर्थाच्यो जोडयो लायात.
- | | |
|--------------|------------------|
| (a) अख्यान | (i) गोडशें |
| (b) शिंसोरि | (ii) धादोशी जावप |
| (c) उत्रै | (iii) मानगें |
| (d) खण्डरोसु | (iv) खोटेपणा |
| | (v) आख्यान |
- | | | | |
|-----------|-------|-------|-----|
| (a) | (b) | (c) | (d) |
| (1) (iii) | (i) | (iv) | (v) |
| (2) (v) | (ii) | (iii) | (i) |
| (3) (iv) | (ii) | (iii) | (i) |
| (4) (iv) | (iii) | (ii) | (i) |
31. "आमी (वैजानी) म्हणटात तें संवस्कुत्र नाजाल्यार म्हात्रभाशेंनूच उल्लोक जाय. तितलेंय घडना जाल्यार उल्लैता आसतना मदीं मदीं संवस्कुत्र उतरां अद्रुण घालूंक जाय." हीं उतरां खंयच्या नाटकांतली जावन आसात ?
- (1) पोवनांचें तपलें (2) एका परस एक हटी (3) झिलबा राणो (4) मोगाचें लग्न



32. मंगळूरच्या खंयच्या कवीन चा. फ्रा.द कोस्ताची प्रेरणा घेवन 'कविता ट्रस्ट' हे संस्थेची थापणूक केली ?
 (1) जे.बी. मोराइश (2) मेल्वीन रॉड्रीकज (3) सिरिल सिक्वेरा (4) ग्लॅडिस रेगो
33. 'मातयेचो मोग' हे साहित्यकृतीचो अणकार हांतल्या कोणे केलां ?
 (1) यशवन्त पालेकार (2) प्रकाश थळी (3) खडाप (4) ऑलिविन्यु गॉमिश
34. कोंकणीचे उगमासंबंदी उगतायलेल्या मत्तांचो आनी विचारवंतांच्यो फावो त्यो जोडयो लायात.
 (a) कोंकणी भाशेचो उगम महाराष्ट्री प्राकृतांतल्यान जाला. (i) नागेश सौंदे
 (b) कोंकणीचो उगम शौरसेनी अप्रभ्रंशातल्यान जाला. (ii) जुजे परैरा
 (c) तिचो उगम जायत्या बोलयांच्या एकठावणेन जाला. (iii) सु.बा. कुलकर्णी
 (d) कोंकणी भाशेचो उगम महाराष्ट्री प्राकृतातल्यान जाला. (iv) फा.ए.एफ्.एम्.माफैय
 (v) शणै गोंयबाब
- | | | | |
|-----------|------|-------|------|
| (a) | (b) | (c) | (d) |
| (1) (i) | (ii) | (iii) | (iv) |
| (2) (ii) | (iv) | (iii) | (v) |
| (3) (iii) | (i) | (iv) | (ii) |
| (4) (v) | (ii) | (iii) | (i) |
35. गोंयाभायर राबितो करुन नामना जोडिल्ल्या हिंदु आनी क्रिस्तांव लोकासंबंदान संशोधन करुन बरयिल्लें शणै गोंयबाबांचें पुस्तक हांतलें खंयचें ?
 (1) आल्बुकेर्कान गोंय कशें जिखलें ?
 (2) वलिपत्तनाचो सोद.
 (3) गोंयकाराची गोंयाभायली वसणूक
 (4) पुण्यात्मो राम कामती आनी आबे फारिय
36. "काव्यशास्त्राच्या अभ्यासान मनीस विदग्धगोष्टींत मुक्तपणान विहार करूंक पावता" हें वचन हांतल्या कोणालें ?
 (1) राजशेखर (2) दण्डिन् (3) मम्मट (4) धनंजय
37. भरतमुनीन मानून घेतिल्ले उपमा, रूपक आनी दीपक हे तीन अर्थालंकार म्हळ्यार :
 (1) तुळा करपाचे कृतीचें मूळ आसात.
 (2) विंगड विंगड लक्षणांच्या तासाचें मूळ.
 (3) अलंकार चक्रांतल्या प्रकारावरींच दिसतात.
 (4) लक्षणकृत अलंकारांच्या विचित्रपणाचें स्वरूप.



38. “तांच्या पयल्या झेल्यांत सैमाची सुवात काव्यविशय म्हूण उणी आनी अणभवाचें माध्यम म्हूण चड आसा. तांचे कवितेंत सैम येता तो तांच्या भावानुभवाचें एक आंगचें माध्यम म्हणूनच”. हें मत्त खंयच्या कवीच्या संबंदान उगतायला ? कोणे ?
- (1) माधव सटवाणी ‘साहित्य सुवाद’ मनोहरराय सरदेसाय
 - (2) रमेश वेळुस्कार ‘साहित्य स्वाध्याय’, बाकीबाब बोरकार
 - (3) शंकर रामाणी ‘साहित्य एक भासाभास’ भालचंद्र गांवकार
 - (4) माधव बोरकार ‘कोंकणी कवितेचे अंतःप्रवाह’ प्रियदर्शिनी तडकोडकार
39. पयल्या युवा कोंकणी साहित्य संमेलनाचे अध्यक्ष आनी कार्याध्यक्ष हांचे मदले कोण ?
- (1) प्रकाश वझरीकार आनी भालचंद्र गांवकार
 - (2) दत्ता दामोदर नायक आनी राजय पवार.
 - (3) दत्ता भिकाजी नायक आनी सुभाष नायक.
 - (4) पूर्णानंद च्यारी आनी अनंत अग्नी.
40. “प्रादेशिक संवेदना उगतावपी बरपावळ म्हळ्यार निखटी थंयचीं संस्कृतीक वर्ण, थंयचे बोलभाशेंत बरयिल्लीं सैमाची वर्णनां वा गांवगिरो वाटार न्हय जाल्यार थंयच्या पारंपारिक मुल्यांचेर पोशिल्ली आनी थंयच्या जिवीताचो अणभव घेतिल्ले संवेदनशील जाणविकायेची प्रतिक्रिया.”
- (1) वयल्या विधानांतले पयलें अर्द बरोबर आसा.
 - (2) वयल्या विधानांतले दुसरें अर्द बरोबर आसा.
 - (3) वयल्या विधानांतले पयलें आनी दुसरें अर्द बरोबर आसा.
 - (4) वयलें पुराय विधान चुकीचें आसा.
41. ‘भायल्या प्रभावाक लागून आयिल्ले गोंयच्या समष्टीचे घटक गोंयकारांक हेर देशभावांसावन वेगळायतात. ‘सुशेगाद वृत्ती’ ही ताचीच एक पत. तिका ‘गोंयकाराली गोंयाभितल्ली हांसणूक’ अशें हांतलें कोणे म्हटलां ?
- (1) जयवंत कुलकर्णी
 - (2) मंगेश पाडगांवकार
 - (3) पुरुशोत्तम ल. देशपांडे
 - (4) जयवंत दळवी
42. ‘कायद्याचो अर्थ आदवोगादान सांगलो जाल्यारय कायद्याच्या कोदीग उतरांतल्यान अनर्थ कसो उत्पन्न करचो हें गोंयचो देमांदिस्त बेस बरें विस्कटावन सांगतलों ही गोंयचे विशींची जाणविकाय एके परीची प्रादेशिकतायच उगती करता अशें म्हळ्यार जातले.’ हें मत्त हांतल्या कोणे उगतायला ?
- (1) तानाजी हळर्णकार
 - (2) किरण बुडकुले
 - (3) उदय भेंब्रे
 - (4) प्रियदर्शिनी तडकोडकार



43. 'कॉमेडी ऑफ ह्यूमर' हे तरेची कॉमेडी इंग्लेजीत कोणे बरयली ?

- (1) मोलियर (2) इब्सेन (3) बेन जॉन्सन (4) शेक्सपीयर

44. 'राम कामती हुशार आसलो. बुदवंत आनी हुशार सराफ म्हुण ताच्या तरणेपणांत मुंबैयच्या कॉन्सिलान ताका वेंचून काडिल्लो.' अशें राम कामती विशीं कोणे उद्गार काडले ?

- (1) ब्रून द सौझ (2) शणै गोंयबाब
(3) गोवेर्नादोर सर चार्लस (4) भाऊ दाजी लाड

45. 'पदिम' हे संज्ञेक कोंकणीत 'रूपिम' अशाय नांवान पाचारतात. आनी ताची व्याकरणीक विश्लेशणातलो ल्हानातलो ल्हान (लघुतम) घटक अशी व्याख्या करतात.

- (1) पुराय विधान चूक (2) पुराय विधान बरोबर
(3) पूर्वार्ध चूक उत्तरार्ध बरोबर (4) पूर्वार्ध बरोबर उत्तरार्ध चूक

46. सकयल्या वाक्यांतली खंयची वाक्यां बरोबर आसात ?

- (a) वाक्यांत जेन्ना विशेशण हें विशेश्याच्या उप्रांत येता तेन्ना ताका विधि विशेषण अशें म्हणतात.
(b) ज्या समासांत पयलो शब्द मुखेल आसता ताका अव्ययीभाव समास आनी दुसरो शब्द मुखेल आसता ताका तत्पुरुष समास अशें म्हणटात.
(1) (a) आनी (b) ही दोनूय विधानां चूक आसात.
(2) (a) बरोबर आनी (b) चूक विधानां आसात.
(3) (a) आनी (b) दी दोनूय विधानां बरोबर आसात.
(4) (a) विधान चूक आनी (b) विधान बरोबर आसात.

47. 'काळोकिट्ट' हो समास हांतलो खंयचो ?

- (1) उपमावाचक कर्मधारय समास (2) विशेशण उभयपद समास
(3) द्वंद्व समास (4) बहुव्रीहि समास



48. आर. पी. ब्लॉकमूर हे खंयच्या मळावेले अभ्यासक जावन आसात ?

- (1) अस्तित्ववाद (2) नव-समीक्षा (3) भाशा शास्त्र (4) साहित्याचो इतिहास

49. गोंयातल्यान गेल्ले वेपारी, कोचींत एक मोटी सुवात घेवन, थंय रावपाक लागले ते वसणुकेक किदें नांव पडलें अशें शणै गोंयबाब म्हणटात ?

- (1) सुनापरान्त (2) गुरू वायुर (3) कोंकण केरी (4) अलेप्पी

50. 'Principles of Literary Criticism आनी Science and Poetry' ह्या पुस्तकांचो बरोवपी हांतलो कोण ?

- (1) काण्ट (2) ब्रॅडले (3) केनेथ बर्क (4) रिचर्डस्

- o O o -



Space For Rough Work

